



● नई दिल्ली। शनिवार 29 जून - 2024

● वर्ष: 8 अंक: 260 पेज-08

● RNI NO. DELHIN/2015/65364

● मूल्य: ₹3

# समाजवादी विचारधारा के पुरोधा सियासी शुचिता के प्रवर्तक रामगोपाल यादव को 78 वें जन्मदिन की बधाई

गांव के भवन से लेकर संसद के सदन तक रहा है पूरा जीवन बेदाग और निर्भीक तरीके से रखी है बात

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। समाजवादी विचारधारा के सबसे बड़े चिंतक प्रोफेसर रामगोपाल यादव का आज 78 वां जन्मदिन है। राजनीतिक शुचिता के साथ समाजवादी विचारधारा के चिंतक प्रोफेसर रामगोपाल यादव उन नेताओं में हैं जिन्होंने अपने सियासी जीवन की लंबी पारी बिना किसी आरोप के पूरी की है। ग्राम पंचायत से अपने राजनीतिक सफर को शुरू करने वाले प्रोफेसर रामगोपाल यादव ने फली बार 1992 में राज्यसभा में कदम रखा था। सरकार और विपक्ष दोनों में नेता रहे हैं। सड़क से लेकर सदन तक का अनुभव है।

बड़ी बात यह है कि दलगत राजनीति से ऊपर उठकर जिन नेताओं ने देश और समाज को एक नया चिंतन और एक नई विचारधारा दी है, उनमें प्रोफेसर रामगोपाल यादव का नाम लिया जाता है। देश तुनिया की हार खबर से बाखबर रहने वाले प्रोफेसर रामगोपाल यादव का नाम लिया जाता है। देश तुनिया की हार खबर से बाखबर रहने वाले प्रोफेसर रामगोपाल यादव उन नेताओं में हैं जिन्हें विदुस्तान के किसान, मजदूर की हार समस्या का पूरा जान है। वह उस दर्द को शिद्दत से महसूस करते हैं और यह बात उनके भाषणों से लेकर जीवन की कर्वीताएँ में भी दिखाई देती है। रहनुमा तो बहुत हुए हैं लेकिन प्रोफेसर रामगोपाल यादव जैसी शिक्षियत सदियों में पैदा होती है। आज समाजवादी विचारधारा के प्रोफेसर रामगोपाल यादव का जन्मदिन है।

## उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने दी प्रोफेसर रामगोपाल यादव को जन्मदिन की बधाई



प्रोफेसर  
रामगोपाल यादव  
के 78 वें जन्मदिन  
पर विशेष



## राजनीति की पाठशाला में प्रोफेसर रहे हैं पूरी तरह से नीट एंड क्लीन

(करंट क्राइम)। उनका सार्वजनिक जीवन पूरी तरह बेदाग रहा है। ऐसे से शिक्षाविद प्रोफेसर रामगोपाल यादव संसद में जब किसी विषय पर बोलते हैं तो सत्ता पक्ष और विपक्ष सभी उनके सार्वजनिक, और जीवन, जीवन और तर्क से भरपूर भाषणों की ध्यान से सुनते हैं। जीवन में बेदाग अनुशासित और संरक्षित रहने वाले प्रो. रामगोपाल यादव को अनुशासनहीनता और उंडडता बिल्कुल परांगी है। संसद हो या संसद के बाहर, वह बेदाग विनम्र, शालीन और अप्यादित होता है। समाजवादी पार्टी ही नहीं दूसरे राजनीतिक दलों के लोग भी उनकी मुक्ति करते हैं। समय के बेदाग पाबद्ध प्रोफेसर रामगोपाल यादव सच्ची और खरी-खरी बात करने वाले इन्हाँ हैं। वह चापलूसों और चाढ़ारों से दूर रहते हैं। उनका मानना है कि इंसान के जीवन में समय सबसे अनमोल होता है, एक बाज जो समय निकल जाता है। वह वापस लौटकर नहीं आता है। जो लोग समय की कद्र नहीं करते हैं उनसे कोई उम्मीद नहीं करनी चाहिए क्योंकि ऐसे लोग जीवन में कभी आगे नहीं बढ़ सकते हैं।



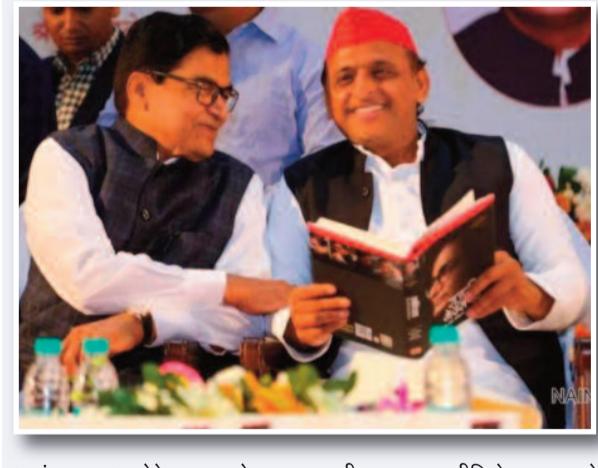
## प्रोफेसर की राजनीति वाली पाठशाला के टीचर रहे हैं मुलायम सिंह यादव



## नहीं मिल रहा था कोई उम्मीदवाद और प्रोफेसर टाल नहीं सके मुलायम सिंह की बात



## सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा था राजनीति में चाचा से ज्यादा भावुक कोई नहीं देखा



(करंट क्राइम)। एक इंटरव्यू के दौरान प्रो. यादव ने कहा था कि वो कभी भी राजनीति में नहीं आना चाहते थे। वो तो ऐसी से प्रत्याक्ष थे। एक दिन नेता जी मुलायम सिंह जैप में आए और बोले कोई भी उम्मीदवाद नहीं मिल रहा है तो तुम बसरेहर, इटावा से ब्लाक प्रमुख छुनाव के लिए नामांकन कर आओ। 10 से जीतने के बाद फिर जिल पंचायत अध्यक्ष का चुनाव हुआ और तब तक मैं सक्रिय राजनीति में पैरेंग चुका था। मुलायम सिंह जैप से पूरी कानूनी विवादों को उठाकर आगरा विविधालय तक पढ़ के लौटने वाले रामगोपाल ही सबसे पढ़े लिखे थे। रामगोपाल तब खासे नाराज हो उठते हैं जब उनके पास कानूनी कानूनी विवादों को उठाकर आगरा विविधालय कर संबंधित किया है और खुद कुछ हैं विवादों को उठाकर आगरा विविधालय तक पढ़ के लौटने वाले रामगोपाल ही सबसे पढ़े लिखे थे। रामगोपाल तब खासे नाराज हो उठते हैं जब उनके पास कानूनी कानूनी विवादों को उठाकर आगरा विविधालय कर संबंधित किया है। एक दिन नेता जी का विकास होगा, कोई रोक नहीं सकता है। देश की बहुत बड़ी घटावन बन गई है। राज्यसभा में सबने हमारा रखात किया। हिंदुस्तान के विकास को कोई रोक नहीं सकता, अगर सब एक रहें। यूपी का बहुत महत है। हम एक हैं। यूपी का सबसे ज्यादा महत है। यूपी का नाम है। हम जहां भी जाते हैं, लोग मिलने आते हैं।

## प्रोफेसर ने कहा था कि वो कभी राजनीति में नहीं आना चाहते थे

गाजियाबाद (करंट क्राइम)। समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रमुख महाराजिव प्रो. रामगोपाल यादव कभी भी राजनीति में नहीं आना चाहते थे लेकिन अपने बड़े भाई और पार्टी संस्थानक मुलायम सिंह यादव ने राजनीति की प्रथम पाठशाला का अनुभव लिया। समाजवादी सोच को अपनी विचारधारा में समाहित किया। जीवन के ना जाने किन्तु मोड़ पर मुलायम सिंह यादव ने उनका मार्ग प्रशस्त किया। बीते वर्ष प्रोफेसर रामगोपाल यादव के लिए मुलायम सिंह का जाना वास्तव में एक व्यक्तिगत क्षति थी। 10 अक्टूबर, 2022 को समाजवादी पार्टी के संस्थानक, पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केन्द्रीय रक्षामंत्री मुलायम सिंह यादव का निधन हो गया। आमौर पर शांत रहने वाले प्रोफेसर रामगोपाल यादव के लिए यह क्षण बहुत भावुक था। जब मुलायम सिंह यादव का निधन पर प्रोफेसर रामगोपाल यादव के आंसू छलक आये थे।















